

में सहमति नहीं हो सकी अतः पत्रावली पूर्वानुसार  
दिनांक 23/10/22 को पेश हुई।

9/2/22

प्रचावली पत्र हुई, पीठासीन अधिकारी  
मुख्यालय से बाहर हैं। पूर्वानुसार  
9/2/22 को पेश हो।

9/3/22

प्रचावली पत्र हुई, पीठासीन अधिकारी  
मुख्यालय से बाहर हैं। पूर्वानुसार  
11/4/22 को पेश हो।

11/1/22

प्रचावली पत्र हुई, पीठासीन अधिकारी  
मुख्यालय से बाहर हैं। पूर्वानुसार  
26/5/22 को पेश हो।

14/1/22

प्रचावली पत्र हुई, पीठासीन अधिकारी  
मुख्यालय से बाहर हैं। पूर्वानुसार  
8/7/22 को पेश हो।

8/1/22

प्रचावली पत्र हुई, पीठासीन अधिकारी  
मुख्यालय से बाहर हैं। पूर्वानुसार  
1/9/22 को पेश हो।

1/9/22

प्रचावली पत्र हुई, पीठासीन अधिकारी  
मुख्यालय से बाहर हैं। पूर्वानुसार  
3/11/22 को पेश हो।

5/1/22

पत्रावली पत्र हुई। अधिकारी प्राचीन उपाधी ग  
ही एक प्राचीन उपाधी। कई बार एक एक

पर आवाप म  
अतः पत्रावली  
अद्वय प्रेषी  
केसक सुचार  
दफ्तर हो।

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नमः व लगे  
अनुभव को  
पुस्तक को लगे  
में लगे हुए

जब आपका मासवाही गई लेकिन कोई इपगन  
आतः पत्रावली वादी की अडक अडक हाथी  
अडक फेरवी से शकरीय की वाली है। पत्रावली  
फिरकत मुकाम होकर गम्बर से काग होकर इपक  
दफ्तर है।

मालकपुत्र  
उच्चम (भरतपुर)